जातीय पंचायत शासन व्यवस्था

6. बिरजिया जनजाति की जातीय पंचायत

⇒जातीय पंचायत का नाम – कुटुमाइत

⇒कुटुमाइत का मुखिया – हकिम

⇒गांव के प्रमुख व्यक्ति –बैगा, बेसरा, धावक

7. बिरहोर जनजाति की जातीय पंचायत

⇒शासन के दृष्टिकोण से बिरहोरो में कोई विशेष संरचना नही होती

⇒भोजन व शिकार समूहों मे विभाजित बिरहोरों का निवाश स्थान टंडा कहलाता है और यह इनका सर्वोच्च संगठन है।

⇒टंडा का प्रमुख – मालिक/नाया (धार्मिक प्रधान भी)

⇒नाया का सहयोगी – कोतवार/दिगुआर

नोट– नाया के नेतृत्व में विवाद को सुलझाने के लिए पंचायत बैठती है और प्रत्येक परिवार का मुखिया पंचायत की बैठक से शामिलत होते है।

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

8. बैगा जनजाति का जातीय पंचायत

⇒परंपरागत जातीय पंचायत – बैगा पंचायत

⇒बैगा पंचायत का प्रधान – मुकद्दम (वंशानुगत) और (धार्मिक प्रधान भी)

⇒मुकद्दम का सहायक – सयाना और सिख

⇒संदेशवाहक – चारिदार

⇒सयाना, सिख व चारिदार का चुनाव गांव वाले करते है।

© Click on :- Career foundation

9. चेरो जनजाति

⇒परपंरागत जातीय पंचायत – भैयारी

⇒भयारी पंचायत तीन स्तरीय – गांव , अंचल, जिला

⇒गांव व अंचल स्तर का प्रमुख – मुखिया

⇒जिला स्तर का प्रमुख – सभापति

⇒जिला अतर्ग्राम विवादो का निपटारा जिला स्तर पर होता है।

10. गोंड जनजाति की जातीय पंचायत

⇒गोंड जातीय पंचायत का प्रमुख – बैगा/सयाना

⇒बैगा ही धार्मिक प्रधान भी होता है।

11. चीक बड़ाइक जनजाति की जातीय पंचायत

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

⇒मिश्रित गांव मे रहने के कारण कोई व्यवस्थित जातीय पंचायत नही है।

⇒अलग–अलग कई गांवो को मिलाकर परंपरागत जातीय पंचायत गठित की जाती है जिसका प्रमुख राजा कहलाता है।

⇒राजा का सहायक – दीवान, पानरे

12. गोड़ाइत जनजाति की जातीय पंचायत

⇒मिश्रित गांवो मे रहने के कारण कोई व्यवस्थित जातीय पंचायत नही है।

⇒गांव के विशिष्ट एवं वरिष्ठ लोगो के समूह द्वारा जातीय पंचायत का गठन होता है जिसका प्रमुख दरिना कहलाता है।

© Click on :- Career foundation

13. करमाली जनजाति की जातीय पंचायत

⇒करमाली जनजाति के जातीय पंचायत के प्रमुख को मालिक कहते है।

⇒अंतर्ग्रामण विवादो को निपटारे के लिए सतगँवईया पंचायत जिसका प्रमुख – परगना मालिक

⇒20–22 गाँव को मिलाकर बाईसी पंचायत जिसका प्रमुख –मुख्य मालिक

⇒संदेशवाहक – गोड़ाइत

14. कंवर जनजाति की जातीय पंचायत

⇒कवर जनजाति के जातीय पंचायत का प्रमुख सयाना कहलाता है।

⇒पंचायत का संचालन – प्रधान/पटेल के द्वारा

15. कोल जनजाति की जातीय पंचायत

⇒कोई व्यवस्थित पंचायत की संरचना नही

⇒कोल जातीय पंचायत का प्रमुख – मांझी

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

16. कोरवा जनजाति की जातीय पंचायत

⇒कोरवा जनजाति की परंपरागत जातीय पंचायत –भैयारी

⇒भैयारी का मुखिया – मुखिया

⇒अंतर्ग्राम पंचायत का प्रमुख – बड़ा मुखिया विशिष्ट व्यक्ति है जिसे पर्व त्योहारो में उपस्थित होना अनिवार्य होता है।

⇒साक्ष्यों व गवाहों के आधार पर फैसले होते है।

17. कोरा जनजाति की जातीय पंचायत

⇒कोरा जातीय पंचायत का प्रमुख – मुखिया/महतो

⇒मुखिया का सहायक – प्रमाणिक एवं जोग मांझी

© Click on :- Career foundation

18. खोंड जनजाति की जातीय पंचायत

⇒परंपरागत जातीय परिषद के प्रमुख – मांझी

नोट :– पुराने जमाने में इनकी पारंपरिक पंचायत थी जिसका प्रमुख गौटिया कहलाता था मगर अब यह व्यवस्था समाप्त हो गई।

19. किसान जनजाति की जातीय पंचायत

⇒कोई व्यवस्थित पंचायत नही होती

⇒परंपरागत जातीय पंचायत के प्रमुख अधिकारी महतो, कोटवार एवं सरदार

⇒अंतर्ग्रामीन विवादो के निपटारे के लिए परगना पंचायत गठित की जाती है।

⇒पंचायतक का बैठक बुलाने वाले को संचालन मे हुए खर्च का वहन करना पड़ता है ।

20. महली जनजाति की जातीय पंचायत

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

⇒कोई व्यवस्थित पंचायत की व्यवस्था नही

⇒संथाल क्षेत्र मे प्रधान परगनैत तथा मुण्डा क्षेत्र में मुण्डा ही इनके मुखिया होते है।

⇒कहीं कही इनके जातीय मामलो मे 12 गांवो की एक सभा गठित होती है जिसे पर्चा कहते है।

21. माल पहाड़िया जनजाति की जातीय पंचायत

⇒इनके सामाजिक संगठन की इकाई ग्राम परिषद या पंचायत होती है जिसका प्रमुख मांझी या मुस्तगीरी होता है।

⇒मांझी का सहायक – गोड़ाइत (संदेशवाहक), दीवान, प्रमाणिक

© Click on :- Career foundation

22. सौरिया पहाड़िया की जातीय पंचायत

⇒इनका पंरपरागत पंचायत बहुत लोकतांत्रिक है।

⇒ग्राम पंचायत का प्रमुख मांझी कहलाता है।

⇒मांझी धार्मिक प्रधान भी होता है।

⇒मांझी की सहायता के लिए गिरी, कोतवार, भंडारी, गोड़ाइत

⇒15–20 गांवो को मिलाकर अंतर्ग्राम पंचायत होती है जिसका प्रमुख नायक होता है।

⇒70–80 गांवो के संगठन का प्रमुख सरदार कहलाता है।

23. परहिया जनजाति की जातीय पंचायत

⇒परहिया जनजाति का पारंपरिक जातीय पंचायत को भैयारी या जातीय गोण कहते है।

⇒पंचायत का प्रमुख महतो कहलाता है।

⇒महतो का सहायक – खतो/कहतो

⇒8–10 गाँवो को मिलाकर अंतर्ग्रामीण पंचायत गठित होती है जिसे कारा भैयारी कहते है।

⇒बलि पुजा मे बैगा की भूमिका होती है।

24. सबर जनजाति की जातीय पंचायत

⇒सबर जातीय पंचायत का प्रमुख – प्रधान

⇒सहायक एवं संदेशवाहक – गोड़ाइत

© Click on :- Career foundation

जातीय पंचायत

जनजाति	जातीय पंचायत का नाम	प्रमुख एंव अन्य पद	सहायक व अन्य पद	अंतर्ग्राम पंचायत का प्रमुख
1. असुर	असुर पंचायत	महतो	बैगा, पुजार , गोड़ाइत	–
2. बंजारा	सामूदायिक परिषद् , बंजारा सेवक संघ	नायक	–	–
3. बथुड़ी	बथुड़ी पंचायत	डेहरी		प्रधान
4. बेदिया	बेदिया पंचायत	प्रधान/महतो/ओहदार	गोड़ाइत	–
5. बिंझिया	बिंझिया पंचायत	मादी/गद्दी	करटाहा	–
6. बिरजिया	कुटुमाइत	हकिम	बैगा, बेसरा , धावक	–
7. बिरहोर	टंडा	मालिक/नाया	कोटवार/दिगुआर	–
8. बैगा	बैगा पंचायत	मुकद्दम	सयाना, सिख, चारिदार	–
9. चेरो	भैयारी	मुखिया	–	सभापति
10. गोंड	गोंड–पंचायत	बैगा/सयाना	–	–
11. चीक–बड़ाइक	चीक–बड़ाइक पंचायत	राजा	दीवान, पानरे	–
12. गोड़ाइत	गोड़ाइत–पंचायत	दरिना	–	–
13. करमाली	करमाली पंचायत	मालिक	गोड़ाइत	परगना मालिक मुख्य मालिक
14. कंवर	कंवर पंचायत	सयाना	प्रधान/पटेल	–
15. कोल	कोल पंचायत	मांझी	–	–
16. कोरवा	भैयारी	मुखिया		बड़ा मुखिया
17. कोरा	कोरा पंचायत	मुखिया/महतो	प्रमाणिक , जोग मांझी	–
18. खोंड	खोंड जातीय परिषद	मांझी	–	–
19. किसान	किसान पंचायत	महतो	कोटवार एवं सरदार	–
20. महली	पर्चा		–	–
21. माल पहाड़िया	ग्रमा परिषद	मांझी मुस्तगीरी	गोड़ाइत दीवान प्रमाणिक	–

© Click on :- Career foundation

22. सौरिया पहाड़िया	सौरिया पंचायत	मांझी	गीरी, कोतवार, भंडारी, गोड़ाइत	नायक सरदार
23.परहिया	भैयारी / जातीय गोण एवं कारा भैयारी	मुखिया	खतो / कहतो बैगा	–
24. सबर	सबर पंचायत	प्रधान	गोड़ाइत	–

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

© Click on :- Career foundation